Seventeenth Loksabha

an>

Title: Demand to compensate the pathetic farmers who lost their crops due to heavy rains and to take adequate steps for water management in Ballia Parliamentary Constituency.

श्री वीरेन्द्र सिंह (बलिया): सभापति महोदय, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूँ । पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश के कारण किसानों के फसल का भारी नुकसान हुआ है । वहाँ के किसान मिर्च की खेती करते है । अभी कुछ किसान मक्के और धान की कटाई किए थे, लेकिन बारिश होने के कारण उनका फसल सड़ गया । किसान मिर्च की बुवाई किए थे, उनके खेत में पानी आ गया और वह भी सड़ गया ।

महोदय, हमारे यहाँ पानी की प्रचुरता के कारण बहुत बड़ा सुरहा ताल है । यह एशिया का सबसे बड़ा ताल है । वहाँ चन्द्रशेखर जी के नाम पर एक विश्वविद्यालय बना है । मुलायम सिंह जी जब मुख्यमंत्री थे तो वहाँ गए थे । वहाँ एक शहीद स्मारक भी बना है । भारी बारिश के कारण बलिया शहर के डी.एम. तथा एस.पी. के बंगले भी डूब गए हैं ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से माँग करता हूँ कि शहरी विकास मंत्रालय और कृषि मंत्रालय को निर्देशित किया जाए और किसानों की पड़ताल करके उचित मुआवजा दी जाए । बलिया शहर के विशेष व्यवस्था के लिए भी निर्देश दिया जाए । वहाँ के डी.एम. व एस.पी. के बंगले पानी में डूब गए हैं । सुरहा ताल में चन्द्रशेखर जी के नाम से विश्वविद्यालय है, उसमें भी पानी भर गया है । उस पानी को निकालने के लिए एक स्थायी व्यवस्था की जाए । यह योजना शहरी विकास मंत्रालय में है । इसके लिए मैं आपसे निवेदन करूँगा ।

महोदय, आज देश भर में आजादी का 'अमृत महोत्सव' मनाया जा रहा है । बलिया भी एक महत्वपूर्ण जगह है । यह वर्ष 1942 में ही आजाद हो गया था । वर्ष 1942 के आंदोलन का जयप्रकाश नारायण जी ने नेतृत्व किया था । मैं आपसे निवेदन करूँगा कि बलिया में पानी का प्रबंधन के लिए और किसानों को मुआवजा देने के लिए, आप सरकार को निर्देशित करने की कृपा करें ।

माननीय सभापति : श्रीमती प्रतिभा सिंह जी, आप पहली बार सदन में बोल रही हैं । आपका स्वागत है ।